

बैंक ने इसका कोई 10,000 रुपया बेकार में खर्च करवाया। इसी तरह का एक और उदाहरण कलकत्ते का है। वहाँ की आंध्र बैंक चौरंगी बाँच के पास गृह उद्योग एक शिक्षित बंरोजगार द्वारा कार्बन फिल्म रिजिस्टर बनाने के लिए गया। बैंक ने न ही कोई वित्त की व्यवस्था की और न ही इस बारे में पार्टी का जवाब दिया। ऐसे और उदाहरण मरे पाम हैं।

मेरी समझ में नहीं आता कि जब सरकार को नीति इस बारे में स्पष्ट है, तो फिर ये संस्थाएँ क्यों नहीं सरकारी नीतियों को अमल में लाती हैं। क्या चन्द्र व्यक्ति इस तरह से निहित स्वार्थ की वजह से सरकार की नीतियों को निरर्थक बना सकते हैं ?

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair]

SOME HON. MEMBERS: Sir, yesterday you created history.

MR. DEPUTY-SPEAKER: You, as opposition, did your duty and I, as Deputy Speaker did my duty.

SHRI H. N. BAHUGUNA: Assessments differ.

(iii) NEED FOR MAKING AVAILABLE CHILDREN'S LITERATURE AT CHEAP PRICE.

प्रो. निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौड़-गढ़): उपाध्यक्ष महाशय, बाल साहित्य का देश में अत्यन्त ही अभाव है। जो थोड़ा बहुत उपलब्ध है, वह भी बहुत ही महंगा है। देश का गरीब गजदूर, कृषक और आदिवासी का बच्चा जो कुछ प्रतिशत स्कूल में पढ़ने जाता है, वह भी इन महंगी पुस्तकों को गरीब कर नहीं पढ़ सकता। अतः स्वस्थ मनोरंजन तथा स्वस्थ साहित्य के अभाव में बच्चों में मानसिक शून्यता तथा भटकाव की स्थिति रहती है। अतः केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय से मैं निवेदन करूंगी कि देश जो ऐतिहासिक धरोहर, महापुरुषों, देश-प्रेमियों, देश विदेश की भागीदारी तथा आर्थिक तथा वैज्ञानिक विकास की जानकारी चित्रमय कथाओं के माध्यम से देने के लिये ऐसी पुस्तकों

निःशुल्क या बहुत ही सस्ती दर पर बच्चों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। मौखिक रूप से बहुत ही सस्ती निःशुल्क ऐसी पुस्तकों बच्चों को दी जाती हैं। क्यों नहीं हमारे देश में नन्हें बच्चों के ज्ञान-वर्द्धन तथा स्वस्थ मनोरंजन के लिए सस्ता, बढ़िया दाल साहित्य हम चित्रमय प्रस्तुत करें। शिक्षा मंत्रालय शिक्षा में बाल साहित्य के लिए भी विशेष मद रखे जिससे बच्चों को सस्ती दर पर बाल साहित्य उपलब्ध कराया जा सके।

(iv) DELAY IN CONSTRUCTION OF BANS-  
PANI-JAKHPURA RAILWAY-LINE.

\*SHRI HARIHAR SOREN (Keonjhar): Mr. Deputy-Speaker. Sir, the inordinate delay in the construction of Jakhpura-Banspani Railway line has adverse impact on the economy of Orissa. The total length of this proposed line is 179 Km. and it has been divided into three phases. The first phase of this line from Jakhpura to Daitari is only 33 km. The construction of the first phase has been completed and already opened for traffic. But it is unfortunate that the construction of second phase from Daitari to Keonjhar has not started so far though funds have already been allocated for this 95 km. distance.

Keonjhar district is mainly a mineral rich district and iron ore, manganese and other minerals accumulated in large quantities at different mines can be transported by rail to Paradip for export if this rail line is constructed. The economic development of the State mainly depends on this railway line. Government of India can earn foreign exchange by exporting high grade ores from this mineral belt.

In view of this, I demand that the construction of second phase rail link of Jakhpura-Banspani line should be expedited. The construction of third phase of the railway line from Keonjhar to Banspani should be included in the Sixth Plan.

(v) BOMBAY SUBURBAN RAILWAY SERVICE.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North-East): Sir, the pressure on the Bombay Suburban Rail Transport has been